Title: Regarding inculcating parliamentary values of decency and good behaviour.

16.40 hrs.

MR. SPEAKER: I make this observation with great pain and anguish after seeing the morning incident.

Hon. Members, the House was witness this morning to ugly exchanges between senior Members of this House.

Such incidents and use of intemperate language not only bring this House into contempt, odium and ridicule but they also erode the dignity and prestige of the House.

I feel that while each one of us in his individual capacity, is responsible to abide by the rules and to uphold and enhance the dignity of the House, a slightly more onerous duty is cast on the Leaders, Chief Whips and Whips of parties and groups to keep their Members in check. While some new Members may not be aware of the Parliamentary etiquette and decorum, their Leaders, whether they be in the Opposition or in the Treasury benches, should educate them properly so that they inculcate the parliamentary values of decency and good behaviour.

But when Leaders themselves indulge in unparliamentary behaviour including use of abusive language, I am at a loss to find words strong enough to condemn such behaviour.

Members may recall that during the Special Session of Lok Sabha to commemorate the Golden Jubilee of India's Independence, the House had unanimously adopted a Resolution, resolving inter alia to preserve and enhance the prestige of Parliament by maintaining the inviolability of the Question Hour, refraining from transgressing into official areas of the House and from shouting slogans, etc. in the House. Unfortunately, this Resolution is not being followed neither in letter nor in spirit. The result is that the House, and the entire nation for that matter, is witness to unruly scenes in the House almost every day. Rushing to the Well of the House on slightest provocation, staging a dharna in the Well of the House, shouting slogans, having a running argument with the Chair and not heeding to the directions from the Chair are acts of grave indiscipline which I strongly deprecate.

I would request all sections of this House kindly to ponder over the deteriorating standards of functioning in this House and search their souls to find a solution to this problem so that all of us may strive together to enhance the prestige of this House, without the Chair being driven to take drastic measures.

... (Interruptions)

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल): आपने जो टिप्पणी की है, मैं उसे मानता हूं और उसका स्वागत करता हूं तथा आपको धन्यवाद देता हूं। लेकिन मैं एक बात जरूर कहूंगा। जब कभी भी हम बोलने के लिए खड़े हुए तो इस सदन के अंदर हमें हत्यारा कहा गया, देशद्रोही कहा गया और न जाने क्या-क्या कहा गया। जब सोमनाथ चटर्जी और लालू प्रसाद यादव जी भी बोलने के लिए खड़े होते हैं तब इस सदन में चार-पांच माननीय सदस्य हमेशा टोकते हैं। हम देखते हैं कि इस सदन में लगातार टोकाटोकी चलती रहती है। इस संबंध में व्यक्तिगत रूप से कभी नही कहा गया। अज वरिष्ठ नेता कहकर लालू प्रसाद यादव और हमारी ओर ही संकेत किया गया है। आपने जो निर्णय लिया, हम उसका स्वागत करते हैं लेकिन इस बात का भी अनुरोध करते हैं कि इस बात के लिए हमें कौन मजबूर करता है? आज ही की घटना ले लीजिए। किसने मजबूर किया? लालू प्रसाद यादव जी ने किसी के लिए नहीं कहा।

... (व्यवधान)

लेकिन उनको चारा चोर कहा गया।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Mulayam Singh Yadav, this observation is to all sections and not to any individual. Please understand this.

... (Interruptions)

श्री मुलायम सिंह यादव : कई लोगों को चार्जशीट लगी, हमने कभी किसी का नाम नहीं लिया। हम इनको अटल जी, आडवाणी जी कहते हैं और ये लालू प्रसाद और मुलायम सिंह कहते हैं। आप ही कहिए कि इस तरह से यदि आप हमें फांसी भी देंगे तो हम तो फांसी भी खा लेंगे लेकिन सवाल इस बात का है कि यह एकपक्षीय टिप्पणी की जा रही है। हम इस आदेश का पालन करेंगे, लेकिन इसका मुझे दुख है, अफसोस है। ये लोग नाम तक ठीक तरह से नहीं लेते हैं। क्या समझ रखा है? अगर इनको वोट मिले हैं तो हम लोग भी जनता से वोट लेकर आए हैं। हम भी नेता हैं। जब हम बोलने के लिए खड़े होते हैं तो कभी चारा चोर कहा जाता है। आप बताएं ऐसा कौन है जिस पर आरोप नहीं लगे हैं?

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: This observation is to all sections and not to any individual. Please understand this.

... (Interruptions)

श्री मुलायम सिंह यादव : तब यह टिप्पणी क्यों नहीं आई जब हमें देशद्रोही और हत्यारा कहा गया और लालू प्रसाद यादव जी को चारा चोर कहा गया? उस समय टिप्पणी क्यों नहीं की गई? आपके आदेश का पालन करते हुए मुझे अफसोस है। इस बात को हम मानकर चलते हैं कि हम लोगों के साथ इंसाफ नहीं हो रहा है।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Fatmi, no please.

... (Interruptions)

श्री लालू प्रसाद अध्यक्ष महोदय, बिहार और उत्तर प्रदेश में आए फल्ड पर आपने मुझे बोलने के लिए मौका दिया था, मैं कंक्ल्युड करने वाला था और माननीय संसदीय कार्य मंत्री उसका जवाब दे रहे थे। वे कंसीड ही करने वाले थे कि इस बीच में सत्तापक्ष की तरफ से चार-पांच सदस्यों ने, मैं उनके नाम नहीं लेना चाहता हूं, अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। हम लोगों को डिमोरेलाइज करने के लिए एक दिन नहीं, बल्कि प्रत्येक दिन सत्ताधारी पक्ष के माननीय सदस्य इस तरह से रोज खड़े हो जाते हैं। मुलायम सिंह जी ने ठीक ही कहा कि उनको भी अपने आंगन में झांक कर देखना चाहिए, दिल में झांक कर देखना चाहिए कि कौन कहां खड़ा है, कौन चोर है और कौन ईमानदार है।

मैं बताना चाहता हूं, जब न्यायपालिका की बात आई, तो उसमें आडवाणी जी का नाम भी आया था। मैंने कहा था कि चार्जशीज करने से और नाम डायरी में पढ़ देने से कोई दोषी नहीं हो जाता है। हमने पक्का बयान दिया था। लेकिन आज चरित्रहनन की बात हो रही है। पोलिटिकल लोगों की पुलिंग की बात हो रही है। मैं आपकी इजाजत से खड़ा हुआ था। महोदय, हजारों वर्षों से हमारे बाप-दादा अपमानित होते रहे हैं, लोग गाली देते रहे हैं। खुरानी जी ने एक दिन बयान दिया कि लालू जी ने चैम्बर में आकर चेतावनी दी। मैं कहता हूं, उन्होंने बिल्कुल बेबुनियाद बयान दिया। मैंने इस तरह का कोई शब्द वीमैन बिल के मामले में नहीं कहा। उन्होंने कहा कि हम लोगों को थ्रैट किया गया। वह जमाना चला गया, अगर गरीब आदमी, लाचार आदमी को प्रतिष्ठा नहीं मिलेगी और तमाचा मिलेगा, तो दस तमाचे

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Those observations were meant for all the hon. Members and not for any individual Member.

श्री लालू प्रसाद : दस तमाचे इस देश में लगेंगे। वह जमाना लद गया है। आपने व्यवस्था दी और सीनियर लीडर का नाम लिया गया, ये डैकोरम और बुद्धिजीवी का हवाला देकर हम लोगों को लगातार अपमानित कर रहे हैं। खुराना जी आयें या नहीं आयें, इसकी जिम्मेदारी हमारी नहीं है। सरकार इनको चलानी है। किसी के दवाब में कोई बात कही गई है, तो यह सबसे बड़ी दुखद घटना है। हम लोगों को ज्यादा जानकारी है। हम लोग मुख्यमंत्री रहे हैं। सन् १९९७ से संसद सदस्य हैं और अपोजीशन के लीडर हैं। मैं पूछता हूं, इस तरह का अपमान, हमने कौन सी बात कही थी? जब टच किया जाएगा, ढैला फैंका जाएगा, कीचड़ उछाला जाएगा, तो हम लोग नहीं रुक सकते हैं। हम अपनी प्रतिष्ठा पर हमला और अपमान के लिए यहां नहीं आए हैं। हम आपको बताना चाहते हैं कि भविष्य के लिए सभी लोगों को ख्याल रखना चाहिए। हम गाली देते हैं, तो गाली दो, लेकिन आप गाली दोगे, तमाचा मारोगे, कोई भी व्यक्ति हो, तो हमारा तमाचा हमेशा के लिए खड़ा है, जवाब देने के लिए। हमको मालूम है, डैमोक्रेसी में इस फोरम का इस्तेमाल किया जा रहा है।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, those observations were meant for all the hon. Members and not for any individual Member. Kumari Kim Gangte, please.

... (Interruptions)